

20/20

पक्षवली पैदा हुई बार-बार आवाज मगवाहु गई  
 आवाज पर हाँ ही वादी उपस्थित आता हाँ ही  
 उजनी और से मेरे अद्विक्ता उपस्थित आता  
 अतः वाद वादी अदम हाजरी सदम फेंकी मैं  
 खारीज किया जाता है पक्षवली फंसल शुभकर देकर  
 ककार से कभ्य है। वाद तकनीम जाहता इस्तिम  
 देफतर है।

उपखण्ड अधिकारी, सुरजमठ

